MAY, 1785. THE NUMB. 2869.

# PENNSYLVANIA GAZETTE.

WEDNESDAY, MAY 25, 1785.

## LIST of PRIZES in the FIRST CLASS of the *Pennſylvania* STATE LOTTERY.

### PRIZES OF EIGHT DOLLARS EACH.

| No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No. | No | No. | No. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 383 | 730 | 1138 | 1548 | 1935 | 2300 | 2737 | 3125 | 3537 | 3937 | 4383 | 4800 | 5165 | 5577 | 5964 | 6399 | 6796 | 7169 | 7576 | 7991 | 8377 | 8768 | 9176 | 9542 |
| 7 | 87 | 31 | 43 | 49 | 37 | 3 | 40 | 30 | 39 | 52 | 85 | 1 | 74 | 78 | 70 | 403 | 98 | 72 | 81 | 92 | 91 | 74 | 78 | 8 |
| 10 | 89 | 33 | 45 | 51 | 46 | 12 | 41 | 32 | 41 | 59 | 97 | 4 | 86 | 90 | 73 | 8 | 804 | 78 | 82 | 8003 | 96 | 79 | 88 | 64 |
| 12 | 91 | 39 | 48 | 55 | 47 | 14 | 45 | 36 | 42 | 61 | 98 | 8 | 88 | 91 | 83 | 10 | 7 | 79 | 83 | 4 | 402 | 85 | 91 | 70 |
| 14 | 92 | 43 | 61 | 56 | 52 | 16 | 46 | 39 | 47 | 62 | 403 | 9 | 93 | 98 | 85 | 11 | 12 | 88 | 85 | 6 | 3 | 87 | 93 | 73 |
| 17 | 93 | 44 | 70 | 58 | 56 | 23 | 49 | 42 | 50 | 69 | 4 | 17 | 98 | 97 | 95 | 12 | 14 | 89 | 88 | 7 | 5 | 95 | 97 | 86 |
| 18 | 95 | 47 | 77 | 60 | 59 | 36 | 62 | 43 | 51 | 71 | 5 | 20 | 99 | 99 | 6005 | 14 | 17 | 92 | 98 | 9 | 12 | 99 | 201 | 96 |
| 19 | 402 | 50 | 78 | 62 | 61 | 40 | 64 | 44 | 56 | 81 | 6 | 23 | 200 | 606 | 8 | 15 | 19 | 93 | 600 | 11 | 17 | 806 | 6 | 97 |
| 27 | 7 | 51 | 79 | 63 | 66 | 41 | 67 | 48 | 57 | 83 | 8 | 26 | 2 | 8 | 13 | 17 | 24 | 200 | 1 | 16 | 18 | 11 | 10 | 609 |
| 28 | 8 | 53 | 81 | 73 | 70 | 45 | 70 | 68 | 58 | 91 | 12 | 27 | 11 | 12 | 31 | 23 | 35 | 5 | 2 | 18 | 19 | 13 | 13 | 11 |
| 30 | 9 | 57 | 86 | 74 | 72 | 46 | 71 | 75 | 63 | 99 | 17 | 28 | 17 | 22 | 40 | 27 | 36 | 14 | 5 | 19 | 22 | 15 | 19 | 13 |
| 31 | 14 | 64 | 89 | 75 | 74 | 59 | 72 | 76 | 65 | 4012 | 18 | 35 | 22 | 23 | 46 | 28 | 41 | 19 | 7 | 23 | 29 | 17 | 20 | 14 |
| 32 | 18 | 65 | 97 | 76 | 77 | 68 | 75 | 78 | 67 | 18 | 19 | 37 | 23 | 25 | 49 | 34 | 44 | 20 | 11 | 35 | 48 | 20 | 23 | 17 |
| 38 | 28 | 69 | 98 | 80 | 78 | 69 | 77 | 85 | 68 | 22 | 30 | 44 | 27 | 27 | 59 | 36 | 60 | 26 | 19 | 36 | 58 | 21 | 27 | 18 |
| 50 | 31 | 76 | 201 | 85 | 79 | 70 | 81 | 92 | 70 | 30 | 38 | 46 | 37 | 37 | 61 | 41 | 64 | 27 | 24 | 41 | 61 | 22 | 32 | 20 |
| 51 | 32 | 86 | 2 | 96 | 80 | 71 | 85 | 93 | 72 | 38 | 47 | 50 | 40 | 38 | 62 | 44 | 66 | 29 | 28 | 44 | 67 | 23 | 34 | 30 |
| 54 | 45 | 95 | 3 | 600 | 82 | 72 | 86 | 96 | 73 | 39 | 48 | 55 | 41 | 41 | 65 | 55 | 70 | 40 | 29 | 47 | 73 | 29 | 38 | 32 |
| 68 | 48 | 97 | 5 | 3 | 85 | 74 | 99 | 204 | 85 | 44 | 52 | 56 | 49 | 43 | 75 | 56 | 71 | 43 | 31 | 49 | 78 | 31 | 39 | 37 |
| 70 | 50 | 801 | 12 | 12 | 2008 | 75 | 802 | 8 | 86 | 45 | 55 | 76 | 50 | 44 | 78 | 64 | 73 | 44 | 42 | 50 | 79 | 34 | 40 | 01 |
| 76 | 52 | 2 | 20 | 15 | 9 | 79 | 5 | 12 | 87 | 46 | 57 | 78 | 60 | 54 | 79 | 69 | 75 | 48 | 43 | 54 | 87 | 36 | 41 | 62 |
| 81 | 54 | 5 | 23 | 17 | 10 | 83 | 13 | 14 | 99 | 47 | 62 | 80 | 65 | 56 | 84 | 71 | 78 | 49 | 45 | 59 | 92 | 45 | 44 | 65 |
| 83 | 59 | 10 | 24 | 21 | 12 | 90 | 17 | 17 | 610 | 50 | 63 | 83 | 70 | 60 | 87 | 74 | 79 | 50 | 52 | 60 | 93 | 60 | 48 | 66 |
| 86 | 61 | 12 | 27 | 25 | 18 | 97 | 19 | 19 | 14 | 53 | 65 | 84 | 73 | 75 | 92 | 76 | 80 | 58 | 53 | 62 | 94 | 61 | 51 | 68 |
| 90 | 62 | 13 | 38 | 31 | 20 | 401 | 20 | 20 | 17 | 56 | 74 | 85 | 77 | 79 | 94 | 77 | 83 | 63 | 68 | 65 | 500 | 62 | 54 | 74 |
| 92 | 66 | 15 | 45 | 36 | 22 | 4 | 26 | 23 | 22 | 60 | 75 | 87 | 78 | 83 | 96 | 82 | 84 | 70 | 69 | 66 | 10 | 70 | 57 | 83 |
| 94 | 68 | 21 | 50 | 53 | 34 | 10 | 27 | 27 | 25 | 64 | 80 | 88 | 79 | 88 | 97 | 87 | 90 | 72 | 74 | 71 | 12 | 74 | 62 | 90 |
| 100 | 70 | 27 | 52 | 54 | 49 | 20 | 29 | 33 | 29 | 67 | 86 | 91 | 81 | 91 | 100 | 95 | 95 | 76 | 83 | 82 | 18 | 75 | 64 | 91 |
| 4 | 73 | 29 | 55 | 60 | 51 | 21 | 32 | 34 | 33 | 69 | 87 | 92 | 85 | 93 | 2 | 97 | 96 | 78 | 89 | 95 | 19 | 78 | 65 | 700 |
| 15 | 81 | 36 | 56 | 63 | 52 | 22 | 38 | 36 | 36 | 73 | 501 | 93 | 87 | 99 | 6 | 99 | 99 | 83 | 90 | 98 | 20 | 79 | 67 | 5 |
| 17 | 82 | 37 | 60 | 64 | 56 | 33 | 42 | 37 | 38 | 77 | 8 | 900 | 94 | 706 | 8 | 501 | 905 | 84 | 93 | 99 | 22 | 87 | 77 | 7 |
| 20 | 87 | 40 | 61 | 71 | 61 | 34 | 43 | 42 | 41 | 86 | 15 | 17 | 311 | 17 | 9 | 11 | 6 | 86 | 95 | 100 | 25 | 94 | 81 | 9 |
| 21 | 97 | 47 | 70 | 74 | 62 | 38 | 46 | 48 | 43 | 93 | 19 | 18 | 16 | 24 | 12 | 13 | 15 | 87 | 96 | 3 | 26 | 96 | 82 | 11 |
| 22 | 503 | 51 | 71 | 76 | 68 | 40 | 48 | 49 | 47 | 97 | 20 | 22 | 22 | 26 | 13 | 14 | 16 | 89 | 700 | 7 | 28 | 900 | 83 | 18 |
| 26 | 10 | 56 | 78 | 78 | 74 | 42 | 57 | 52 | 55 | 102 | 22 | 24 | 24 | 27 | 14 | 16 | 19 | 94 | 10 | 9 | 31 | 2 | 84 | 19 |
| 29 | 15 | 57 | 80 | 79 | 77 | 43 | 58 | 53 | 60 | 3 | 28 | 31 | 34 | 32 | 16 | 18 | 23 | 98 | 17 | 20 | 35 | 9 | 85 | 21 |
| 30 | 18 | 60 | 86 | 84 | 83 | 56 | 60 | 58 | 62 | 9 | 30 | 32 | 38 | 33 | 17 | 21 | 24 | 307 | 19 | 30 | 40 | 11 | 86 | 23 |
| 33 | 19 | 61 | 90 | 86 | 85 | 66 | 67 | 59 | 64 | 11 | 38 | 41 | 46 | 36 | 23 | 25 | 27 | 15 | 27 | 33 | 43 | 12 | 87 | 37 |
| 41 | 21 | 64 | 97 | 99 | 89 | 71 | 71 | 63 | 69 | 20 | 43 | 44 | 48 | 40 | 26 | 26 | 33 | 17 | 30 | 45 | 52 | 18 | 90 | 39 |
| 45 | 25 | 67 | 300 | 700 | 93 | 77 | 72 | 74 | 83 | 26 | 46 | 45 | 49 | 41 | 27 | 30 | 34 | 19 | 33 | 51 | 53 | 30 | 93 | 45 |
| 49 | 26 | 70 | 3 | 1 | 96 | 81 | 75 | 75 | 89 | 30 | 50 | 53 | 50 | 43 | 35 | 33 | 35 | 20 | 45 | 65 | 58 | 34 | 94 | 47 |
| 51 | 27 | 71 | 7 | 8 | 97 | 89 | 78 | 82 | 94 | 31 | 54 | 56 | 52 | 51 | 36 | 34 | 36 | 27 | 49 | 67 | 60 | 49 | 95 | 53 |
| 56 | 29 | 73 | 16 | 13 | 104 | 90 | 82 | 92 | 98 | 41 | 55 | 59 | 56 | 52 | 37 | 35 | 39 | 36 | 52 | 74 | 66 | 51 | 300 | 56 |
| 57 | 30 | 74 | 17 | 21 | 10 | 93 | 84 | 98 | 705 | 46 | 58 | 61 | 58 | 57 | 41 | 36 | 48 | 45 | 64 | 78 | 70 | 58 | 1 | 59 |
| 62 | 33 | 77 | 20 | 23 | 11 | 501 | 87 | 301 | 8 | 47 | 60 | 63 | 64 | 65 | 47 | 38 | 51 | 47 | 65 | 82 | 73 | 62 | 8 | 60 |
| 66 | 35 | 82 | 25 | 24 | 13 | 6 | 89 | 2 | 14 | 48 | 64 | 64 | 66 | 73 | 53 | 49 | 55 | 54 | 66 | 86 | 74 | 63 | 15 | 63 |
| 70 | 39 | 83 | 27 | 25 | 38 | 9 | 94 | 11 | 15 | 51 | 66 | 67 | 68 | 74 | 54 | 50 | 58 | 56 | 67 | 87 | 81 | 65 | 17 | 73 |
| 71 | 46 | 84 | 31 | 28 | 41 | 10 | 904 | 18 | 19 | 53 | 73 | 69 | 69 | 75 | 59 | 51 | 64 | 60 | 68 | 90 | 82 | 67 | 26 | 74 |
| 72 | 48 | 96 | 35 | 29 | 44 | 14 | 5 | 23 | 33 | 54 | 79 | 70 | 79 | 78 | 62 | 34 | 73 | 61 | 72 | 91 | 84 | 68 | 31 | 77 |
| 73 | 49 | 905 | 37 | 30 | 45 | 17 | 6 | 27 | 34 | 56 | 80 | 77 | 82 | 80 | 63 | 62 | 76 | 62 | 76 | 92 | 93 | 78 | 36 | 79 |
| 74 | 50 | 6 | 38 | 31 | 46 | 19 | 7 | 29 | 36 | 57 | 82 | 78 | 90 | 82 | 64 | 80 | 85 | 65 | 86 | 205 | 94 | 81 | 39 | 81 |
| 77 | 56 | 10 | 55 | 34 | 51 | 20 | 9 | 31 | 37 | 59 | 83 | 79 | 91 | 83 | 69 | 82 | 86 | 68 | 87 | 6 | 95 | 99 | 41 | 82 |
| 80 | 58 | 29 | 58 | 38 | 52 | 25 | 10 | 37 | 38 | 60 | 89 | 84 | 96 | 84 | 70 | 83 | 87 | 70 | 91 | 10 | 97 | 9000 | 49 | 83 |
| 82 | 61 | 31 | 61 | 47 | 61 | 28 | 19 | 40 | 41 | 63 | 92 | 91 | 97 | 86 | 72 | 85 | 91 | 83 | 801 | 19 | 600 | 1 | 58 | 84 |
| 83 | 63 | 33 | 62 | 50 | 64 | 31 | 26 | 45 | 43 | 66 | 93 | 94 | 99 | 89 | 81 | 88 | 7002 | 87 | 3 | 21 | 6 | 2 | 59 | 88 |
| 86 | 69 | 36 | 63 | 51 | 65 | 34 | 37 | 48 | 47 | 76 | 98 | 96 | 403 | 90 | 89 | 91 | 10 | 99 | 5 | 25 | 8 | 8 | 62 | 90 |
| 90 | 73 | 37 | 73 | 53 | 66 | 36 | 38 | 49 | 50 | 78 | 99 | 97 | 6 | 98 | 99 | 97 | 13 | 402 | 6 | 26 | 9 | 12 | 64 | 93 |
| 97 | 74 | 43 | 80 | 55 | 72 | 37 | 41 | 52 | 53 | 81 | 606 | 98 | 12 | 800 | 206 | 604 | 18 | 3 | 7 | 28 | 10 | 14 | 66 | 96 |
| 202 | 77 | 44 | 85 | 58 | 73 | 39 | 43 | 55 | 61 | 91 | 7 | 5001 | 14 | 3 | 16 | 6 | 27 | 8 | 11 | 32 | 11 | 19 | 71 | 805 |
| 3 | 78 | 51 | 86 | 59 | 74 | 40 | 59 | 58 | 66 | 93 | 17 | 3 | 15 | 5 | 17 | 13 | 34 | 11 | 16 | 34 | 12 | 20 | 72 | 11 |
| 9 | 87 | 54 | 89 | 60 | 78 | 47 | 61 | 59 | 69 | 202 | 18 | 11 | 18 | 6 | 25 | 16 | 39 | 14 | 26 | 36 | 17 | 26 | 73 | 18 |
| 14 | 88 | 56 | 92 | 64 | 80 | 51 | 62 | 68 | 70 | 5 | 28 | 13 | 25 | 10 | 28 | 17 | 41 | 17 | 29 | 39 | 19 | 27 | 74 | 20 |
| 15 | 89 | 57 | 94 | 77 | 85 | 57 | 65 | 70 | 73 | 6 | 32 | 14 | 27 | 12 | 31 | 19 | 43 | 23 | 37 | 40 | 20 | 33 | 76 | 24 |
| 31 | 93 | 65 | 97 | 84 | 89 | 64 | 68 | 72 | 75 | 7 | 35 | 16 | 29 | 16 | 34 | 23 | 45 | 25 | 38 | 43 | 21 | 36 | 78 | 25 |
| 38 | 95 | 67 | 98 | 85 | 90 | 65 | 73 | 73 | 81 | 8 | 38 | 20 | 32 | 18 | 37 | 25 | 48 | 33 | 39 | 46 | 22 | 49 | 80 | 37 |
| 39 | 600 | 70 | 416 | 88 | 91 | 69 | 87 | 77 | 84 | 9 | 40 | 26 | 35 | 24 | 39 | 27 | 52 | 35 | 41 | 47 | 26 | 58 | 81 | 43 |
| 42 | 1 | 73 | 24 | 91 | 93 | 71 | 89 | 80 | 86 | 10 | 54 | 29 | 36 | 27 | 40 | 29 | 53 | 36 | 47 | 49 | 36 | 59 | 84 | 53 |
| 48 | 14 | 74 | 30 | 94 | 95 | 77 | 90 | 81 | 89 | 13 | 61 | 32 | 37 | 28 | 46 | 32 | 54 | 38 | 49 | 52 | 38 | 60 | 88 | 58 |
| 49 | 16 | 77 | 34 | 99 | 96 | 83 | 99 | 82 | 91 | 18 | 64 | 37 | 38 | 29 | 51 | 33 | 59 | 48 | 51 | 67 | 44 | 62 | 95 | 60 |
| 50 | 21 | 80 | 37 | 800 | 206 | 87 | 3002 | 91 | 96 | 19 | 68 | 40 | 39 | 30 | 53 | 37 | 61 | 51 | 52 | 71 | 45 | 64 | 402 | 63 |
| 52 | 23 | 85 | 40 | 4 | 9 | 93 | 8 | 401 | 99 | 30 | 70 | 49 | 42 | 31 | 55 | 38 | 63 | 52 | 53 | 78 | 46 | 66 | 8 | 65 |
| 53 | 24 | 86 | 41 | 11 | 13 | 98 | 11 | 2 | 807 | 40 | 71 | 53 | 44 | 37 | 67 | 44 | 65 | 76 | 54 | 79 | 47 | 69 | 9 | 66 |
| 54 | 28 | 90 | 43 | 19 | 15 | 600 | 12 | 6 | 10 | 42 | 73 | 54 | 61 | 40 | 68 | 63 | 66 | 81 | 56 | 80 | 49 | 77 | 17 | 68 |
| 63 | 30 | 98 | 47 | 23 | 18 | 3 | 14 | 7 | 13 | 44 | 74 | 56 | 63 | 42 | 70 | 65 | 72 | 82 | 58 | 82 | 52 | 79 | 18 | 79 |
| 72 | 36 | 1003 | 54 | 26 | 20 | 4 | 16 | 9 | 17 | 59 | 77 | 60 | 67 | 48 | 80 | 69 | 73 | 83 | 61 | 83 | 56 | 86 | 20 | 74 |
| 78 | 46 | 6 | 56 | 28 | 24 | 15 | 17 | 11 | 21 | 66 | 87 | 64 | 75 | 51 | 82 | 77 | 76 | 84 | 64 | 84 | 64 | 90 | 29 | 75 |
| 79 | 47 | 18 | 61 | 31 | 30 | 18 | 19 | 12 | 32 | 71 | 94 | 65 | 76 | 62 | 84 | 81 | 78 | 89 | 69 | 86 | 73 | 96 | 31 | 88 |
| 80 | 48 | 21 | 64 | 39 | 31 | 30 | 20 | 16 | 35 | 79 | 95 | 67 | 79 | 63 | 88 | 87 | 79 | 91 | 80 | 91 | 74 | 97 | 34 | 97 |
| 87 | 57 | 23 | 65 | 48 | 35 | 38 | 26 | 20 | 38 | 80 | 704 | 83 | 64 | 97 | 90 | 81 | 97 | 85 | 95 | 75 | 100 | 35 | 98 |
| 93 | 58 | 28 | 69 | 49 | 37 | 46 | 35 | 21 | 40 | 84 | 7 | 71 | 84 | 66 | 302 | 95 | 83 | 98 | 91 | 96 | 79 | 7 | 37 | 914 |
| 96 | 66 | 29 | 71 | 52 | 44 | 47 | 38 | 22 | 42 | 90 | 9 | 76 | 85 | 69 | 3 | 96 | 84 | 500 | 95 | 97 | 87 | 10 | 39 | 15 |
| 308 | 72 | 31 | 72 | 57 | 47 | 49 | 40 | 25 | 47 | 91 | 15 | 78 | 90 | 72 | 14 | 701 | 92 | 5 | 901 | 300 | 90 | 18 | 48 | 17 |
| 9 | 74 | 35 | 76 | 58 | 48 | 50 | 43 | 28 | 52 | 96 | 20 | 89 | 94 | 73 | 16 | 2 | 100 | 6 | 4 | 2 | 96 | 24 | 50 | 18 |
| 12 | 75 | 36 | 79 | 62 | 50 | 53 | 45 | 31 | 58 | 308 | 29 | 95 | 501 | 74 | 17 | 6 | 3 | 11 | 9 | 5 | 700 | 28 | 53 | 22 |
| 16 | 78 | 37 | 80 | 73 | 52 | 59 | 52 | 32 | 60 | 14 | 32 | 97 | 7 | 75 | 28 | 7 | 4 | 13 | 16 | 10 | 1 | 30 | 70 | 27 |
| 19 | 83 | 40 | 82 | 79 | 54 | 71 | 54 | 37 | 64 | 22 | 33 | 98 | 9 | 78 | 29 | 12 | 6 | 25 | 28 | 17 | 7 | 39 | 72 | 40 |
| 26 | 94 | 43 | 86 | 95 | 55 | 80 | 61 | 38 | 65 | 23 | 35 | 100 | 11 | 79 | 33 | 13 | 12 | 30 | 29 | 20 | 11 | 43 | 75 | 47 |
| 32 | 96 | 61 | 87 | 98 | 56 | 83 | 63 | 40 | 67 | 27 | 44 | 1 | 15 | 84 | 37 | 18 | 13 | 36 | 35 | 24 | 15 | 44 | 79 | 50 |
| 39 | 704 | 63 | 92 | 900 | 60 | 88 | 78 | 42 | 69 | 28 | 52 | 7 | 16 | 90 | 38 | 22 | 15 | 38 | 39 | 26 | 17 | 50 | 81 | 51 |
| 40 | 5 | 72 | 98 | 3 | 62 | 93 | 80 | 49 | 73 | 29 | 58 | 8 | 19 | 98 | 44 | 24 | 20 | 41 | 40 | 27 | 21 | 54 | 82 | 56 |
| 42 | 6 | 79 | 501 | 6 | 64 | 705 | 82 | 52 | 75 | 32 | 59 | 20 | 21 | 901 | 47 | 31 | 31 | 44 | 41 | 36 | 26 | 57 | 85 | 59 |
| 50 | 10 | 87 | 4 | 7 | 73 | 0 | 91 | 70 | 80 | 35 | 60 | 28 | 34 | 5 | 53 | 32 | 36 | 46 | 44 | 42 | 31 | 59 | 86 | 60 |
| 53 | 12 | 98 | 5 | 12 | 74 | 10 | 98 | 78 | 97 | 39 | 61 | 35 | 36 | 13 | 56 | 35 | 38 | 48 | 51 | 47 | 32 | 60 | 95 | 63 |
| 59 | 13 | 99 | 8 | 13 | 75 | 12 | 99 | 80 | 99 | 49 | 70 | 39 | 43 | 24 | 59 | 36 | 46 | 50 | 55 | 49 | 36 | 61 | 96 | 69 |
| 61 | 14 | 101 | 16 | 14 | 77 | 17 | 102 | 83 | 502 | 51 | 71 | 44 | 47 | 42 | 78 | 37 | 49 | 53 | 64 | 53 | 39 | 65 | 500 | 78 |
| 63 | 17 | 7 | 17 | 19 | 79 | 19 | 3 | 84 | 3 | 61 | 74 | 45 | 50 | 43 | 86 | 64 | 53 | 56 | 65 | 57 | 41 | 67 | 6 | 82 |
| 65 | 19 | 8 | 19 | 20 | 82 | 21 | 6 | 87 | 5 | 63 | 83 | 48 | 54 | 45 | 89 | 65 | 56 | 62 | 79 | 65 | 51 | 68 | 11 | 90 |
| 67 | 22 | 14 | 23 | 21 | 83 | 30 | 12 | 91 | 9 | 67 | 84 | 50 | 57 | 47 | 90 | 72 | 57 | 64 | 82 | 67 | 53 | 70 | 18 | 92 |
| 75 | 24 | 17 | 24 | 22 | 85 | 31 | 18 | 502 | 12 | 70 | 87 | 56 | 62 | 48 | 94 | 73 | 59 | 66 | 85 | 69 | 56 | 71 | 23 | 97 |
| 79 | 26 | 18 | 37 | 25 | 92 | 32 | 22 | 32 | 28 | 81 | 92 | 59 | 68 | 50 | 95 | 88 | 61 | 67 | 87 | 72 | 59 | 72 | 31 | 98 |
| 82 | 28 | 21 | 42 | 30 | 99 | 35 | 23 | 34 | 34 | 82 | 97 | 62 | 69 | 63 | 97 | 89 | 67 | 69 | 88 | 75 | 60 | 75 | 35 | 10000 |

| Prize of 1500 Dollars. | Prizes of 20 Dollars. |
|---|---|
| No. | No. |
| 5933 | 62 |
| | 338 |
| | 522 |
| | 542 |
| | 811 |
| | 950 |
| | 989 |
| | 1010 |
| | 60 |
| | 91 |
| Prize of 1000 Dollars. | 120 |
| No. | 193 |
| 2057 | 219 |
| | 69 |
| | 85 |
| | 415 |
| Prizes of 500 Dollars. | 55 |
| | 630 |
| | 57 |
| | 59 |
| No. | 718 |
| | 814 |
| 322 | 97 |
| 1020 | 996 |
| 2818 | 2019 |
| 9094 | 63 |
| | 150 |
| | 320 |
| | 31 |
| Prizes of 100 Dollars. | 444 |
| | 552 |
| | 613 |
| | 811 |
| | 963 |
| | 3137 |
| No. | 88 |
| 670 | 207 |
| 787 | 454 |
| 2196 | 695 |
| 2202 | 735 |
| 2344 | 58 |
| 2855 | 941 |
| 3184 | 45 |
| 3844 | 67 |
| 4065 | 4096 |
| 4264 | 145 |
| 5132 | 72 |
| 6299 | 265 |
| 7094 | 344 |
| 7577 | 535 |
| 8504 | 832 |
| | 993 |
| | 5046 |
| | 63 |
| Prizes of 50 Dollars. | 106 |
| | 75 |
| | 310 |
| | 419 |
| No. | 21 |
| 271 | 532 |
| 343 | 35 |
| 455 | 80 |
| 701 | 631 |
| 762 | 731 |
| 935 | 47 |
| 1044 | 6048 |
| 1333 | 184 |
| 1772 | 275 |
| 1805 | 93 |
| 1818 | 335 |
| 1927 | 71 |
| 2095 | 470 |
| 2167 | 581 |
| 2673 | 96 |
| 3788 | 685 |
| 3802 | 775 |
| 3917 | 76 |
| 4000 | 7029 |
| 4009 | 31 |
| 4054 | 570 |
| 4665 | 650 |
| 4675 | 723 |
| 5018 | 8061 |
| 5634 | 160 |
| 5684 | 207 |
| 6038 | 321 |
| 6182 | 92 |
| 6186 | 453 |
| 6502 | 720 |
| 6894 | 62 |
| 7275 | 808 |
| 7613 | 50 |
| 7893 | 931 |
| 8703 | 39 |
| 8869 | 9042 |
| 9278 | 247 |
| 9347 | 225 |
| 9633 | 404 |
| 9768 | 454 |
| | 73 |

The Adventurers in this Claſs have the Right of Pre-emption of the ſame Numbers in the *Second Claſs*, provided they apply within ſix Weeks from the 12th Inſtant.

TICKETS in the *Second Claſs* may be had at the LOTTERY OFFICE, in *Third-ſtreet*, where the Fortunate in the *Firſt Claſs* may receive their PRIZES.

## BOSTON, May 9.

On Thurſday laſt, agreeable to notification, a meeting of the committee from the tradeſmen and manufacturers of this town was held at the Green Dragon, conſiſting of twenty different branches, when the committee appointed at a former meeting reported the following letter, ſent to the "Committee of Merchants, traders and other citizens."

GENTLEMEN, *Boſton, April* 26, 1785.

WE, being appointed by the tradeſmen and manufacturers of this town, to inform you what meaſures they have adopted at this important criſis of our affairs, beg leave to incloſe a copy of their proceedings, which hope will meet with your approbation.

We ſhall by all meaſures in our power endeavour to cultivate that harmony ſo eſſentially neceſſary at this time; and recollect with pleaſing ſatisfaction the union that has always ſubſiſted between the *merchants*, *tradeſmen* and *manufacturers* of this town; we ſhould regret if any meaſures ſhould now be adopted by either, to impair that affection which has ever been our happineſs to boaſt.

Impreſſed with theſe ſentiments, we have in our proceedings endeavoured to keep in view the *ſpirit* of your reſolutions; in order to effect the important purpoſes of freeing ourſelves from the dangerous eſtabliſhments of Britiſh merchants, &c. whoſe reſidence we conceive is deſtructive both to the mercantile and manufacturing intereſts of this country.

But as the ſeveral branches of our occupations have of late been materially affected by European importations, we conceive ourſelves in duty bound to prevent, if poſſible, thoſe ſupplies either by foreigners or our own merchants.

We have therefore voted a petition to be preſented to the next General Court for this purpoſe, and as we doubt not the ſincerity of your declaration "to encourage the manufactures of this country," we truſt you will ſupport with your whole influence any meaſures calculated to promote ſo deſirable a purpoſe.

We ſhall ever be ready to receive advice or afford aſſiſtance in any meaſures for the general good; relying on that unanimity and perſeverance, the happy effects of which we have ſo often experienced, we truſt ſome effectual means will be deviſed to promote the proſperity of the commerce, trade, and manufactures of this town. We are, Gentlemen, with every ſentiment of eſteem,

Your moſt obedient humble ſervants,

JOHN GRAY,
BENJAMIN AUSTIN, jun.
SAMUEL G. JARVIS,
JOHN SKINNER,
SARSON BELCHER.

To which the following reply was received.

GENTLEMEN, *Boſton, May* 2, 1785.

YOUR Communications of the 26th ult. were intereſting and agreeable. Our ſituation is truly critical. To the United States in Congreſs we look for effectual relief, and to them have accordingly appealed.

We rejoice to find our ſentiments and views harmonizing with yours, and hope that our united exertions will be crowned with the deſired ſucceſs.

Shall cheerfully uſe what little influence we may have in promoting and encouraging the manufactures of our own country, and for obtaining at the next General Court, ſuch reſtrictions and exciſes as may have ſo happy a tendency.

We derive great ſupport from that unanimity which appears to actuate our reſpective proceedings, and while that ſubſiſts, we can no more deſpair of the Commerce, Trade and Manufactures, than of the Liberties of America.

We are, Gentlemen, with much eſteem,

Your moſt humble ſervants,

JOHN HANCOCK,

In the name and behalf of the Committee of Merchants, Tradeſmen and others.

To JOHN GRAY, Eſq. Chairman of the Committee of Tradeſmen, Manufacturers, &c.

The Committee alſo reported the following Addreſs, which was unanimouſly approved.

To the Tradeſmen and Manufacturers of the Commonwealth of Maſſachuſetts.

GENTLEMEN,

THE large importations from Europe, of the manufactures of this country, call loudly on us to join in ſome united efforts to remedy a meaſure ſo deſtructive.

It is with regret we obſerve, that ſince the peace the importations into this ſtate have conſiſted of many articles which are uſually manufactured among ourſelves, on which thouſands of individuals depended for the maintenance of themſelves and families, and many of our brethren, who have been engaged in the war, and are now returned to their occupations, rely for a ſubſiſtance and ſupport. We therefore view the continuance of ſuch a practice as tending to the ruin of thoſe ſeveral manufactures, and impoveriſhing great numbers of induſtrious members of ſociety.

Nothing can be more deſirable at this important period, than a firm united exertion to prevent the evils we apprehend; and as we conceive the intereſt of the WHOLE is ſo intimately connected with thoſe branches already affected, we would wiſh to eſtabliſh a UNION upon ſo broad a baſis, that it cannot fail producing the moſt extenſive and permanent advantages to the collective body of mechanics.

We conceive ourſelves intereſted in one common cauſe; altho' the evils we complain of are not equally felt by all, yet we truſt our brethren will view the concern as general, and will be ready to join with us in all legal meaſures to obtain a regulation of the preſent ſyſtem of commerce, which, if not ſpeedily checked, muſt prove fatal to the whole.

If ever the attention of the mechanics and manufacturers of this commonwealth was required, this is the intereſting moment; if we let this opportunity paſs without ſome endeavours on our part, we ſhall for ever have reaſon to repent of our remiſſneſs; every day brings freſh proofs of the neceſſity of our exertions; and we cannot anſwer it to GOD, our COUNTRY, our POSTERITY, or ourſelves, if we are inactive at this deciſive criſis.

The reſtrictions by the Britiſh government on all American veſſels, and the ſhipping of goods from England to America in Britiſh bottoms, muſt eventually operate to the deſtruction of ſhip building among ourſelves; and render our veſſels of little value in proſecuting voyages to any part of the Britiſh dominions; and entirely deſtroy our carrying trade, an object ſo eſſentially important to America.

We have reaſon to apprehend, from what has hitherto taken place, that not only our ſhip building will be ruined, but every article of rigging, ſails, blocks, alſo cordage, ready fitted by the rigger, together with all the variety of ſhip chandlery, will ſoon be imported by Britiſh merchants and factors, or brought in veſſels freighted as Engliſh bottoms; the conſequence muſt be an entire ruin of our ſhip builders, blackſmiths, rope makers, riggers, block makers, ſail makers, with every other branch of buſineſs connected in the equipment of veſſels.

We need not mention other branches of trade and manufactures, more immediately affected by foreign importation; they are too keenly felt to need repetition; being ſenſible that every implement throughout the whole ſyſtem of mechaniſm will ere long (without ſpeedy aſſiſtance) be wreſted from the hands of the induſtrious American.

Theſe things are not ſurmiſes; they are TRUTHS which cannot be controverted; they therefore require our joining in a PETITION to the next General Court, praying that ſuch duties may be laid on foreign importations of all articles uſually manufactured here, as will prevent their being brought among us, to the injury of ſuch individuals who are now in thoſe branches.

As the time is now approaching for the choice of perſons to repreſent us the enſuing year, on whom we greatly rely for the ſucceſs of our petition, it is hoped the tradeſmen and manufacturers will exert their whole influence to make choice of thoſe men who are avowedly friends to the manufactures of this country; your own judgment will dictate to you ſuch perſons, whoſe connections, whoſe ſteadineſs, and whoſe patriotiſm will bear the teſt of ſcrutiny.

We are, gentlemen, with every ſentiment of eſteem,

Your friends and brethren in a common cauſe.

JOHN GRAY, Chairman.

A committee of ſix gentlemen were choſen to wait on the ſeveral tradeſmen and manufacturers, whoſe branches were not repreſented, deſiring them to ſend one perſon from each, for that purpoſe.

In mentioning the diſapprobation which we are certain is generally given to the Stamp-Act by the citizens of this Commonwealth, we feel a peculiar diffidence.------Ill-nature, we are conſcious, will ſuppoſe the information as originating in ſelf-intereſt.----But as it is our duty, in all caſes, to convey whatever may be deemed of public benefit, we ſhall obſerve that it is in agitation in ſeveral towns in this commonwealth, to inſtruct their repreſentatives to bring in an act to repeal certain clauſes in the above mentioned one. Should there be no alteration, and the act remain as it is, we are certain that it muſt operate to the impoveriſhment, if not ruin, of many of the publiſhers of news-papers in this ſtate, and could the community at large derive any conſiderable advantage by the ſacrifice, we doubt not but they would meet their doom with a becoming ſatisfaction. But this will not be the caſe---in their fall, if they muſt fall, will cloſe the duty, and every friend to equal liberty need not be informed, that the duties ariſing from the tax on the vehicles of political information will be in no proportion to the impoveriſhment of a ſingle individual--conſequently it will be unequal and hard. If we could aſſume the confidence of dictating to our rulers, we ſhould ſuppoſe that the articles of foreign luxury, for which our caſh is conſtantly bidding adieu to our country, were objects more deſerving reſtrictions and duties, eſpecially when it is conſidered that news-papers are the principal ſupport of one capital branch of American manufactory----paper-making.

## WORCESTER, May 12.

The method propoſed by ſome, to drive the Britiſh factors from this commonwealth, is not by others judged ſo politic, as it would be for government to take the matter up. Let them be ſerved as Britain ſerved us. Every Britiſh factor who ſettles here ſhould pay a duty of ten or fifteen per cent. to government, on all the goods he imports. This will certainly be much better than diſturbing the public tranquility by ſending them off, and will be doing no more than we have a legal right to do, and by all impartial men will be conſidered as juſt, conſideing the preſent diſpoſition of Great-Britain towards this country.

## NEW-YORK, *May* 19.

A report has prevailed for ſome days paſt, that the Empreſs of China was to deliver her cargoe at Philadelphia----From certain information, we can aſſure the citizens that ſhe is to unload her rich cargoe of teas, ſilks, china, nankeens, &c. here; by which the city and country will be ſupplied with thoſe articles on moderate terms.

We have the pleaſure to inform our readers of the ſafe arrival at Breſt, of that worthy Nobleman, Patriot and Soldier, the Right Honorable Major-General the Marquis de la FAYETTE, after a paſſage of thirty days,

His Moſt Chriſtian Majeſty's packet, Le Courier de l'Europe, Monſ. Cornic du Moulin, commander, will ſail with the mail from this port for l'Orient, on the 15th of June next.

*May* 20. The State of Rhode-Iſland, during their laſt ſeſſion, paſſed an act for laying an impoſt of ſeven and an half per cent. on all Britiſh goods imported into that ſtate in Britiſh veſſels, in addition to the impoſt of two and an half per cent. on all imported goods.

It is very extraordinary, ſays a correſpondent, that no recommendations, as heretofore, have publicly appeared from the *National Council* on a ſubject of ſuch magnitude as the manufactures and commerce of this country. Formerly their *recommendations* had all the force and effect of the moſt poſitive *laws*. Are the people leſs virtuous, or the Congreſs leſs revered and reſpected, than they were in thoſe glorious periods, when *reſiſtance* to the arbitrary mandates of *Britain* became neceſſary, and an appeal to the ſword unavoidable?

## ELIZABETH-TOWN, May 18.

It certainly appears evident, that if ſufficient power is not given to Congreſs to regulate our commercial affairs, that every diſtreſs reſulting from an impoveriſhed people will ſoon be our unhappy lot.

Among the new books publiſhed in London, in February laſt, is one entituled "The Proſpect of a Re-union between Great-Britain and America, by an American officer.

---

*SAMUEL PLEASANTS*

Has removed his STORE to Chetnut-ſtreet, nearly oppoſite the Bank, where he has for SALE,

A freſh Aſſortment of DRY GOODS,

Imported in the laſt Veſſels from Europe. §4w

---

Philadelphia, May 23. 1785

ALL perſons having demands againſt Meſſrs. FALCONER and TOMKINS, of this city, merchants, are deſired to render their accounts for adjuſtment; and thoſe who are indebted to them are requeſted to make immediate payment, as their Aſſignees are anxious of diſcharging their truſt as ſoon as poſſible.

JOHN FROMBERGER,
JOSIAH W. GIBBS,
CHARLES GILCHRIST,
SAMUEL SMITH,
JOHN FERGUSON,
} Aſſignees.

tbctf.

---

*TO BE SOLD,*

THAT valuable FARM, in the townſhip of Paſſyunk, on the river Schuylkill, half a mile below GEORGE GRAY's Ferry, formerly A. Rambow's eſtate, containing about 150 acres of upland, and about 8 acres of embanked meadow, with ſome cripple, a good two ſtory brick houſe, and a frame or log houſe adjoining, barn, ſtable, milk-houſe, orchard, gardens, &c. being an excellent farm for raiſing ſtock, and very convenient to tend the Philadelphia market with milk, butter and vegetables. For terms, apply to the ſubſcribers, Attornies for Edward L. Chick. If not ſold at private ſale by the 20th of June, then to be ſold by public ſale, on the 9th of July next enſuing, on the premiſes.

DANIEL WILLIAMS.
ENNION WILLIAMS.

May 20, 1785. §

---

*SIX DOLLARS Reward.*

STRAYED or STOLEN, from the plantation of the ſubſcriber, about four weeks ago, a black MARE, with a ſtar in her forehead, branded behind C. A. continental marks, and before P. P. paces, and carries her head low, has a ſhort tail, with an ear-mark on the back part of the ear, ſome ſaddle-marks, a thick mane, ſmall hoofs, and was ſhod all round, about 14 hands high, very thick and chunky. Whoever takes up ſaid mare, and brings her to the owner, ſhall have the above reward, paid by

CHARLES STILL.

Vincent townſhip, Cheſter county, May 21, 1785. ¶

---

*This Day is Publiſhed,*

*Price Half a Dollar, ſtitched in blue Paper,*

*By* SPOTSWOOD *and* RICE, *the corner of Strawberry-alley, and* T. SIDDON, *next door to the Pennſylvania Coffee-Houſe, Market-ſtreet,*

OBSERVATOINS on the Importance of the AMERICAN REVOLUTION, and the means of rendering it a benefit to mankind: Humbly addreſſed to

THE FREE AND UNITED STATES OF

*AMERICA,*

AS A LAST TESTIMONY OF GOOD WILL,

By RICHARD PRICE, D. D. L. L. D.

And Fellow of the Royal Society of London, and of the Academy of Arts and Sciences in New-England.

To which is added,

A Letter to Dr. PRICE, from M. TURGOT, Comptroller-General of the Finances of France, on the conſtitutions of the American States.

---

*EDWARD EVANS,*

Has for SALE, at South-Street Wharff,

A QUANTITY of excellent

Burlington Pork and Meſs Beef.

Philadelphia, May 24. ‡

---

*MATTHEW CLARKSON,*

Has for SALE, on the moſt reaſonable terms, for ſpecie, or the new emiſſion of paper money, at his STORE, in Third ſtreet, almoſt oppoſite the Bunch of Grapes Tavern, and the fifth houſe to the ſouthward of Arch-ſtreet,----

The following ARTICLES, *viz.*

A GOOD aſſortment of fine and coarſe linens of various prices, elegant chintzes, Marſeilles quilting, white jeans of the firſt quality, ditto of various colours, gauzes, plain and ſoufflee, ſewing ſilks of different colours, round and ſquare japanned waiters, from 7 to 16 inches, a variety of ink-ſtands, men and womens ſhoes, a large aſſortment of cheſt locks and hinges, padlocks, till and cupboard locks, tea cheſt ditto, braſs deſk and till ditto, ſpring cheſt ditto, braſs deſk ſetts, firmer chizels, turners ditto, gouges, plane-irons, an aſſortment of files, tennant ſaws, H and HL hinges, carvers tools, wood ſcrews, ſpike gimblers, ſmall ditto, awl blades, butchers cleavers, plated ſtirrups, curb chains, bitts and ſnaffles, a large quantity of cutlery, conſiſting of knives and forks, cutteaus, pen-knives, ſciſſars, razors, and lancets of the beſt ſort; plated ſhoe and knee-buckles, tin ditto, hat ditto, beſt plated coat and veſt buttons, gilt ditto, tin and plain white metal ditto, black death-head horn do. ſleeve ditto, ſword-hooks, cork-ſcrews, watch-chains and keys, braſs thimbles, pins, mixt ditto, ſailmakers needles, darning and white chappel ditto, buckle-bruſhes, very elegant ſnuff boxes, Indian trinkets, conſiſting of beads, links and ear-bobs, &c. needle-caſes, paper ink-pots, mahogany knife-caſes and tea-cheſts, japanned ſugar-boxes, ditto tobacco diſhes and clyſter-pipes; beſt cordage, conſiſting of cables, hawſers, ſtays, tow-lines, tacks, ſheets, buoy-ropes, bolt-ropes, ſpun-yarn, hawſline, marline, log-lines, hand-lines, deep ſea-lines, ſail-twine, whipping-twine and Hamburgh lines, &c. German ſcythes, an elegant clock, upon a new conſtruction, ſupported by marble columns. c4w

---

Imported in the Ship London, and other Veſſels from Europe, and to be SOLD by

*TOWERS & EVANS,*

Next Door to the Preſbyterian Meeting-houſe, in Market-ſtreet,

A freſh ASSORTMENT of

Capital DRUGS and MEDICINES,

A Variety of Patent MEDICINES, *&c.*

And a large and general ASSORTMENT of

GLASS and PAINTERS COLOURS, viz.

| | |
|---|---|
| WHITE LEAD, dry and ground in Oil, | Frankford Black, |
| Red Lead, do. do. | Gamboge, |
| Spaniſh Brown, do. do. | Indian Ink, |
| Yellow Oker, do. do | Ivory Black, |
| Pruſſian Blue, do. do. | Kings Yellow, |
| Verdigreaſe, do. do. | Litharge, |
| Lamp Black, do. do. | Magnes, |
| Annatto, | Naples Yellow, |
| Brown Pink, | Roſe Pink, |
| Blue Black, | Spaniſh Whiting, |
| Black Lead, | Stone Oker, |
| Carmine, | Strewing Smalt, |
| Drop Lake, | Turkey Umber, |
| Dutch Pink, | Venetian Red, |
| Flake White, | Vermillion, |
| | White Vitriol. |

Linſeed Oil, drying ditto, Spirits of Turpentine, Turpentine Varniſh, White ditto, Brown ditto, Lacquer, Pallet Knives, Painters Bruſhes, Marking ditto, Saſh Tools, ground and common, Camels Hair Pencils, &c. Window, Coach, Picture and Clock Face Glaſs, from 20 Inches by 16 to 8 Inches by 6.

N. B Glaſs cut to any Size or Form. §

---

*TEN DOLLARS Reward.*

STRAYED or STOLEN, laſt Tueſday night, out of the field of the ſubſcriber, at Chriſtiana Ferry, a ſorrel coloured horſe, with a blaze in his face, and two white feet, ſhod before, a natural trotter, but has a hobbling pace before he gets into his trot, 14 hands high, and about 7 years old. Whoever takes up ſaid horſe and ſecures him, ſo as the owner may get him again, ſhall have Six Dollars Reward, and reaſonable charges; and if ſtolen, for horſe and thief, Ten Dollars, and reaſonable charges, paid by

ISAAC LAWRENCE.

Wilmington, May 21, 1785. †

---

SIXTEEN DOLLARS Reward.

WAS ſtolen out of the ſtable of the ſubſcriber, in the townſhip of Norriton, county of Montgomery, on the night of the 17th of January laſt, a likely bay MARE, 14 and an half hands high, branded W. H. on the near buttock, both hind feet white to the fetlock joints, has a ſtar and ſnip, ſwitch tail, carries well, trots and canters, about 7 years old, three quarters blooded. Any perſon apprehending the thief and mare, ſo that the owner may have her again, ſhall have the above reward upon conviction of the thief, or EIGHT DOLLARS for the mare only.

Likewiſe came to the plantation of the ſubſcriber, on the 3d of May inſt. a ſorrel MARE, about 14 hands high, trots and paces, has a ſtar in her forehead, low carriage, and long tail, is about 5 or 6 years old. The owner is deſired to come, prove his property, pay charges, and take her away.

JAMES ADAMS.

May 17, 1785. ¶

PHILADELPHIA, *May* 25.

MESSRS. HALL AND SELLERS,

IN the Pennsylvania Packet of this day, a supposed extract of a letter from a refugee to his friend has been published, with intrinsic proof of its spurious birth. The genuine letter having come to my hands, I forward it to you, requesting it may be published in your next.

M. E.

19th May, 1785.

*Extract of a letter from a refugee in London to his friend at Port-Roseway, dated January* 24, 1785.

"Why do you not write to me more frequently? Your last contained intelligence which gave pleasure to many of your friends.

"Sanguine as we were in the prosecution of the war, I believe there are none among us now so ridiculously sanguine, as to expect any connection can again take place between Great-Britain and her former colonies. If we receive a compensation from this haughty nation for our ignominy, and our loss in adhering to it, we must be satisfied.

"But our old habits still continue, and we receive with delight those accounts of the commotions and disorders of the country, to which, at New-York, we listened with so much attention. There is this difference. At New-York we expected (fruitlessly indeed) to derive advantage from the internal distresses of the country. We view it *now* as an offended nation, that will not be appeased, and, having nothing to expect from its humanity or its defeat, we enjoy a kind of satisfaction in being told of its difficulties.

"In most of the states, however, men of probity, ability and reputation, have been prudently substituted as rulers. We are sorry to hear it; for we wish them neither honor nor tranquility. You remember with what pain the accounts of such nominations were received by us during the war. It was our joy to hear of the selfishness, ignorance, and utter incapacity of the legislators of our enemies. Undoubtedly you recollect ----'s toasts, and ----'s texts at his convivial sermons, all that he was ever willing to preach,

"But you console us with relating what you hear of the situation of the opulent and lately distinguished state of Pennsylvania. We thank you for the account. It has been a very balm to our wounds. Every avaricious, designing or insufficient character you have pourtrayed,----every instance you have mentioned of erroneous and defective legislation----of servile or corrupt administration----has been a fresh comfort to our adversity. Among other articles in your account, I was particularly struck with the continuance of what you call the test-law (that is, if I understand the enigma, a law which requires a certain oath as a test of allegiance, and then prohibits that oath from being taken) by which these men of Gotham cut off one third of their whole number, and voluntarily diminish their own strength more than our Generals could effect in seven campaigns. Next, they endeavour to destroy their own commerce, by suppressing their bank, at the erection and success of which we shuddered so much---the imposition of taxes upon the whole people, for the purpose of enriching a few speculators, &c. Time will not allow me to enumerate more of those things, to which we have listened with a great degree of pleasure. We wish the system may long endure in Pennsylvania, and extend itself to the states around. And my prayers are, that the people of Pennsylvania may continue the succession of their present worthy rulers, that the stock of the B-----s and the B----s, the P----s and the S-----s, may not be soon exhausted, and that the dews of faction, selfishness, violence and incapacity, descending upon their public councils, may produce a perpetual vegetation of disunion, debility and disgrace."

Sunday last the Spanish frigate Matilda, commanded by the Chevalier Moralles, arrrived here from the Havanna, which she left the 3d of April. In this ship came passengers, his Excellency Don Diego Gardoqui, Ambassador from his Catholic Majesty to the United States; and Oliver Pollock, Esq; Consul from the United States, at the Havanna.

We learn by the above vessel, that that steady and confirmed friend of the United States, his Excellency the Count Galvez, was some time since appointed to the government of the Havanna, where he arrived about four months since, and immediately proceeded to shew every favor to the Americans there, by counteracting the very rigorous conduct of the former Governor of Cuba towards our countrymen trading to that island. The courts of justice were opened for all Americans, who had money due to them, to prosecute for the recovery of their debts; and permission was given for all who were formerly ordered from the island, to return and do themselves justice.---Passages were provided for several Americans there, to return to their respective homes.---In this good work Count Galvez was much assisted by his Excellency Don Diego Gardoqui, who interested himself greatly in removing the unfavorable impressions which the behaviour of the late Governor had made upon almost every one who had gone from the United States for the purpose of trading.

But we are sorry to mention, that Count Galvez was soon after prevented from continuing this favourable conduct, by being appointed Vice-Roy of Mexico, for which he was to sail a few days after the Matilda left the Havanna, where his loss would be much lamented.

Our accounts further add, that the intentions of Spain respecting the Musquito shore would, in all probability, be prosecuted to extremities, as a considerable force had lately sailed from Carthagena, in aid of the troops already employed on that expedition.

*The following are copies of the letters that passed from the Governor of the state of North-Carolina to the Governor of the state of Franklin; and the answer of the General Assembly of that state:*

SIR, Danbury, the 27th of February, 1785.

WITH some concern I have heard that the counties of Washington, Sullivan and Green, have lately declared themselves independent of the state of North-Carolina, and have chosen you Governor; that you have accepted the same, and are now acting with a number of officers under the authority of the new government.

As I wish to have full and proper information on this subject, Major Samuel Henderson waits upon you with this, by whom you will please to transmit me an account of the late proceedings of the people, relative to the above, in the western country, that I may have it in my power to communicate the same to the General Assembly. The general discontent that prevailed at the last cession act, and the sense of Congress to make the state no retaliation for the same, caused the Assembly to repeal that act, by a large majority, and to convince the people of the western country, that the state still retained her affection for them, was not desirous to part with so respectable a body of citizens in the present situation of affairs, attempted to render government as easy as possible, by erecting a new superior court district, creating a Brigadier-general of the militia, and an assistant judge of the said superior court, which was, in short, redressing every grievance, and removing every obstacle that called for a separation, and which the legislature were taught to believe, from one of the members of that district, would give full satisfaction.

It has also been suggested that the Indian goods are to be seized, and the commissioners arrested, when they arrive on the business of the treaty, as infringing on the powers of your new government, for which they are stopped. I shall not proceed with the commissioners, until we are assured how far the militia of Washington are to be relied on for guards in concluding of the treaty, whom alone I designed to call upon to attend this duty. You will also please to inform me respecting the proclamations to remove all intruders on the Indians lands, and what is done in Hubart's case, of which I wrote you by Colonel Martin.

In the mean while I am, with respect,

Your most humble servant,

ALEXANDER MARTIN.

Brigadier Gen. Savees.

SIR,

YOUR letter of the 27th of February, directed to Brigadier General Savees, favoured by Major Henderson, was laid before the General Assembly of the state of Franklin, by the Governor: We therefore think it our duty to communicate to you the sense of the people of this state, and observed your Excellency's candour in informing us that the reason North-Carolina repealed the cession act was, because the sense of Congress was to allow the state of North-Carolina nothing for the land ceded; the truth of that assertion we will not undertake to determine---- but we humbly conceive, the terms on which Congress was empowered to accept the cession was fully expressed in the cession act itself; and consequently every reason existed for not passing that act, that could have existed for the repeal; except that of doing justice to the United States in general, who, upon every principle of natural justice, are equally entitled to the land that has been conquered by our joint efforts: And we humbly thank North-Carolina for every sentiment of regard she has for us, but are sorry to observe, that as it is founded upon principles of interest, as is apparent from the tenor of your letter, we are doubtful, when the cause ceases, which is the basis of that affection, we shall lose your esteem.

Reflect, Sir, upon the language of some of the most eminent members in the General Assembly of North-Carolina, at your last spring session, when the members from the western country were supplicating to be continued a part of your state: Were not these their epithets. "The inhabitants of the western country are the off-scourings of the earth; fugitives from justice; and we will be rid of them at any rate." The members of the western country, upon hearing these unjust reproaches, and being convinced that it was the intention of the General Assembly to deprive them of any further protection, consulted each other, and concluded it was best to appear reconciled with the measure, in order to obtain the best terms they could, and was not surprised to see North-Carolina, immediately on passing the act of cession, enter into a resolve to stop the goods that they, by act of the General Assembly, had promised to give the Indians for the lands they had taken from them, and sold for the use of the state. The inadequate allowance made the Judges who were appointed to attend the courts of criminal jurisdiction, and who had to travel over the mountains, amounted to a prohibition as to the administration of justice in this quarter: And although the judge appointed on this side the mountains might, from the regard he had to the administration of justice in the county of Cumberland, have held court there, yet, as your Excellency said, to grant him a commission agreeable to the act of the General Assembly, he could not have performed that service, had he been ever so desirous of doing it.

In short, the people of the western country found themselves taxed to support government, while they were deprived of all the blessings of it; not to mention the injustice done them in taxing their land that lay five hundred miles from trade, equal to lands of the same quality on the sea shore.---The frequent murders committed by the Indians on our frontiers have compelled us to fall upon some plan for our defence. How far North-Carolina has been accessary to those murders, we will not pretend to say.---We know she took the land the Indians cleared---promised to pay them for it---and again resolved not to do it; and that in consequence of that resolve the goods were stopped.

You say it has been suggested that the goods your state promised the Indians are to be stopped, and the commissioners arrested, when they arrive on the business of the treaty. We are happy to inform you that that suggestion is false, groundless, and without the least foundation; and we are certain you cannot pretend to fault us, that your state stopped the goods by a resolve of the General Assembly, in violation of the act for granting them to the Indians: And if your state is determined to evade their promise to the Indians, we intreat you not to lay the blame upon us, who are entirely innocent, and determined to remain so.

It is true we have declared ourselves an independent state, and pledged our honours, confirmed by a solemn oath, to support, maintain and defend the same. But we had not the most distant idea that we should have incurred the least displeasure from North-Carolina, who compelled us to the measure;----and to convince her that we still retain our affection for her, the first law we enacted, was to confirm all and every right granted under the laws of North-Carolina; and have placed them on the same footing in every respect, as if we had not declared ourselves an independent state; have patronized her constitution and laws---and hope for her assistance and influence in Congress, for hastening our reception into the fœderal union.

Should our hopes be blasted, we are determined never to desert that independence which we are bound by every tie of honor and religion to support.

We are induced to think North-Carolina will not blame us for endeavouring to promote our own interest and happiness, while we do not attempt to abridge hers, and appeal to the impartial world to determine whether we have deserted North-Carolina, or North-Carolina deserted us? You will please to lay these our sentiments before the General Assembly of your state, and beg leave to assure them, that, should they ever stand in need of our assistance, we shall be always ready to render them every service in our power, and hope to find the same sentiments prevailing in them towards us.

*Your very humble servants,*

LANDAN CARTER, S. S.
WILLIAM CAGE, S. C.

By order of both Houses of the General Assembly,

THOMAS TALBOT, C. S.
THOMAS CHAPMAN, C. C.

*To his Excellency* ALEX. MARTIN, *Esq;*
*Governor of the state of North-Carolina.*


On *FRIDAY* next,

Precisely at NINE o'CLOCK, at the CITY VENDUE STORE, will begin the SALE of a large and general Assortment of

MERCHANDIZE.

ARTHUR ST. CLAIR, and Co. Auctioneers.

*On Saturday next will be published, and sold by*
WILLIAM WOODHOUSE,
*In Front street, near Market street,*

BALLOON;

Or an Aerial Trip to the Celestial Regions.
A POEM, in Six Parts.

To be SOLD by the Subscriber,

At his House, in Market-street, between Fourth and Fifth-streets, at the Sign of the SCYTHE and SICKLE,---

A large Quantity of *Scythes* and *Sickles*,

which he will sell on reasonable terms.

THOMAS GOUCHER.

N. B. He intends, in another Year, to establish his Manufactory on a more extensive Plan than at present, provided he meets with due Encouragement from the Public.

Philadelphia, May 16, 1785. c 6 w.

To be SOLD by public Vendue,

At the Court-House, in Bridgetown, Cumberland county, New-Jersey, on WEDNESDAY, the 8th day of June next, between the hours of two and five in the afternoon,

A LOT of GROUND, containing 60 perches, situate in Bridgetown aforesaid, adjoining land of David Potter, Rebecca Boon, and others. There are on said lot, a good dwelling-house and barn, a well of excellent water near the door, and a number of fruit-trees. The place is beautifully situated in a central part of the town, and would be very suitable for public or mechanical business. The purchaser, on paying a small part of the money down, may have twelve months for the payment of the remainder. Further particulars will be made known at the day of sale, by CHARLES OGDEN.

N. B. Final settlements of Pennsylvania or Jersey states will be taken in payment, at their current value. May 24. §

IN pursuance of the powers given to us by the Supreme Court, we hereby give public notice, that we shall meet on Wednesday, the 15th day of June, at Patrick Byrnes's Tavern, in Philadelphia, at 7 o'clock in the evening, to ascertain and settle the demands of the creditors of a certain BRASSINE, now in the goal of Philadelphia county; at which time and place, all the said creditors are hereby notified to attend, in order that they may be intitled to a distribution of monies of the said Brassine, paid into the Supreme Court for the benefit of his creditors.

SAMUEL MILES,
May 21, 1785. || JOHN MAXWELL NESBITT,
JOHN CHALONER.

SIX thousand acres of patented LAND to be disposed of for merchandize or cash, situated in Penn's Valley, near the Bald Eagle, about 30 miles above Sunsbury. Said land has on it a fine stream of water, sufficient for a number of mill-seats, and is reported to be in general very good, and to have an iron mine on it. For terms, apply to THOMAS HOWARD, in Second-street, near Chesnut-street. ¶

STRAYED or STOLEN out of a pasture lot, between Walnut and Spruce streets, on Third-street, in the night of the 18th instant, a sorrel GELDING, with a blaze in his face, two white feet, a short mane and switch tail, about 14 hands high, trots and canters: Also a bay MARE, with a blaze in her face, one hind foot white, with a black main and tail, about 14 hands high, and a natural pacer. Whoever takes up said creatures, if strayed, and delivers them to the PRINTERS hereof, shall have SIX DOLLARS Reward, or THREE DOLLARS for either; if stolen, and the thief or thieves apprehended, so that they may be convicted thereof, shall be entitled to a Reward of SIX POUNDS. May 23, 1785

*TEN POUNDS Reward.*

RUN away, on the 22d of April, from Dubartes Shepherd, living near James's river, in Botetourt county, Virginia, a Negroe man, named CHARLES, but supposed to have changed his name. He is about 30 years of age, 5 feet 9 or 10 inches high, strong made, with large hands and very large feet, and when he laughs or smiles his eyes appear very small; he is not so black as some Negroes. It is thought he will pretend to have been set free by the people called Quakers.

The subscriber, having purchased him running, will give Fifteen Pounds reward, and reasonable charges, to any person that will secure and bring said Negroe to him, in Albemarle county, or Ten Pounds reward for securing him in any goal, on shortly giving notice thereof to

May 24, 1785. GEORGE NICHOLAS.

N. B. A letter sent to Richmond, directed for said George Nicholas, living in Charlotte's-Vale-Town, Albemarle Court-House, will quickly come to hand. ¶

*EIGHT POUNDS Reward.*

WAS stolen out of the subscriber's stable, on the night of the 19th of April last, a very dark brown, or black GELDING, about 15 hands high, 8 or 9 years old, without mark or brand, trots and gallops, and is well broke to the road; he also goes well in a carriage. He is supposed to have been stolen by a Negroe man, named Andrew, who left the neighbourhood about that time, and is said to be now in or near Wilmington. I do hereby offer a Reward of THREE POUNDS to any person who will bring said horse home, and all reasonable charges; also a further Reward of FIVE POUNDS for the detection of the thief, so that he may be brought to justice.

JOHN WARD, son of Peregrine.

Cæcil county, Maryland. May 9, 1785.

*EIGHT DOLLARS Reward.*

STRAYED or stolen from the subscriber, living in Southampton township, Bucks county, on the night of the 13th inst. a black HORSE, 6 or 7 years old, 14½ hands high, paces and trots, but most natural to pacing, he is a little shy of his ears when bridling; branded on the shoulder and thigh G V D. Three Dollars will be given, and reasonable charges for the horse only, and the above reward for horse and thief, upon conviction, by me § GODFREY VANDERIN.

May 20, 1785.

Brandywine Bridge, May 13, 1785.

STRAYED or STOLEN, out of the stable of the subscriber, last night, a bright bay GELDING, about 14 hands and an half high, has a star in his forehead and small snip, one hind foot white, supposed to be on the off side, rubbed with the saddle on both sides of his withers, scarcely got well, shod all round; is missing with him, an almost new rope halter: He is five or six years old this spring, canters very naturally, trots a little, not well gaited otherways. Whoever takes up said horse and thief, so that the thief may be prosecuted to conviction, shall have EIGHT DOLLARS Reward, or for the horse only, FOUR DOLLARS, and reasonable charges, paid by

¶ PARKER ASKEW.

WAS FOUND on the plantation of John Witmer, senior, in Lampeter township, in the county of Lancaster, some time in April last, a BAG, with a number of pieces of dry goods, such as silk handkerchiefs, Joans spinning, &c. The owner is desired to call on the subscriber, prove property, pay charges, and take them away. JOHN WITMER, senior.

May 19, 1785. ¶

WHEREAS a certain WILLIAM ASKEW, from Virginia, hath obtained a Note from us the subscribers, dated the 9th day of February last past, for the sum of Fifty Pounds, lawful money of Pennsylvania: But as we have not received any value for the said sum, we do therefore forewarn all persons not to take an assignment on said Note, as we are determined not to pay the same, until compelled thereto by due course of law,

Lampeter township, Lancaster county, May 15, 1785. ¶ CHRISTIAN HARE. ABRAHAM HARE.

CAME to the plantation of the subscriber, living in West-Whiteland township, Chester county, on the 27th instant, a sorrel MARE, six years old, between 14 and 15 hands high, four white feet, and a star in her forehead, trots and canters. The owner is desired to come, prove his property, pay charges and take her away.

April 30, 1785. § HADLEY BROWN.

THE subscriber hereby forewarns all persons from trusting his wife Otilla Tailer on his account, for he is determined that he will not be answerable for any debts of her contracting. May 12, 1785. GEORGE TAILER. ¶

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to public ſale, on the premiſes, on Friday, the twenty-ſeventh inſtant, a Meſſuage and Tract of Land, ſituate in Sadſbury townſhip, containing 250 acres, good land and well improved, bounded by lands of James Wilſon, Andrew Boyd, John Boyd and others. Late the eſtate of Joſeph Sharp, but taken in execution, and to be ſold by

*Cheſter, May* 5, 1785. WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

AT the ſame time and place laſt abovementioned will be expoſed to public ſale, an undivided right, being one equal tenth part of 300 acres of Land, ſituate in Sadſbury aforeſaid, bounded by lands of Col. Joſeph Park and others. Late the eſtate of Charles Porter and ------- his wife, but ſeized and taken in execution, and to be ſold by WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

---

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to public ſale, on the premiſes, on Saturday, the 28th inſtant, a Meſſuage and Tract of Land, containing 78 acres, part thereof fine rich bottom, ſituate on Brandywine, in the townſhip of Bradford, bounded by lands of John Woodward, Richard Woodward and Thomas Shugart. Late the eſtate of James Woodward, but taken in execution, and to be ſold by

*Cheſter, May* 5, 1785. WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

---

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to public ſale, on the premiſes, on Saturday the 28th inſtant, a Meſſuage and Lot of Land, containing 21 acres, ſituate in the townſhip of Sadſbury, bounded by lands of Benjamin and Henry Whitſon. Late the eſtate of Amos Williams, but taken in execution, and to be ſold by

*Cheſter, May* 5, 1785. WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

---

BY virtue of two ſeveral writs of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to public ſale, on the premiſes, on Monday, the 30th inſtant, a Meſſuage and Tract of Land, containing 90 acres; the houſe is now occupied as a public houſe, known by the ſign of the Plough, and commands a beautiful proſpect of the river Delaware, ſituate in the townſhip of Ridley, bounded by lands, of Eliſha Price, Eſq; and others. Late the eſtate of Sketchly Morton, but taken in execution, and to be ſold by WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

*Cheſter, May* 5, 1785.

---

BY virtue of a writ of Venditioni Exponas to me directed, will be expoſed to ſale, at the time and place laſt above mentioned, a Lot of Land, containing 25 acres, ſituate in Darby townſhip, bounded by lands of Jacob Sorrell, and by Darby Creek. Late the eſtate of Joſeph Rudolf, but ſeized and taken in execution, and to be ſold by

*Cheſter, May* 5, 1785. WILLIAM GIBBONS, Sheriff.

---

## To be SOLD at public Vendue,

On the 28th day of May next, at one o'clock in the afternoon,

A BRICK HOUSE, with a Smith's ſhop, a lot of one acre and a good orchard, in a very pleaſant and improving part of the lower end of Germantown, adjoining the big road leading to Philadelphia; it being the lot formerly belonging to William Hofman deceaſed. It is very ſuitable for a Farmer, or any other public buſineſs. GEORGE KOH.

Germantown, April 29, 1785. JOHN HOFMAN.

---

*Cumberland county, April* 18, 1785.

NOTICE is hereby given, that *William Sheckels, Samuel Huſted, John Mills, George Reek, Thomas Gandy, Whitelock Paulin* and *John Stevens*, inſolvent debtors, now confined in the goal of the county of Cumberland, ſtate of New-Jerſey, intend to apply to the Judges of the Inferior Court of Common Pleas, for the benfit of the inſolvent act; they therefore deſire all their creditors to appear at the Court-houſe in Bridge-Town, on Thurſday, the ſeventh day of June next, to ſhew cauſe, if any they have, why an aſſignment of their eſtates ſhould not be made to their creditors, and they releaſed from confinement agreeable to act of inſolvency. † 4 w

---

## *NOTICE is hereby given*

To the Surveyor-General, and Deputy Surveyors of the ſeveral diſtricts within the laſt Indian purchaſe,

THAT a Tract of Land, beginning on the weſt ſide of the north-eaſt branch of the river Suſquehanna, oppoſite the north end of Monamia Iſland, and thence extending weſt 800 perches to a corner, thence north 3770 perches to a corner, thence eaſt 1570 perches to a corner, at the lower end of an iſland, and oppoſite to a corner-marked white-oak; thence down the river, by the ſeveral courſes thereof, to the place of beginning; containing 18,000 acres, and allowance for roads, was located long before the late revolution, and appropriated to ſatisfy the original purchaſes made of the firſt Proprietary of Pennſylvania, by his ſon William Penn the ſecond, Sir William Petty, and Arent Sonmans, which rights are and always have been acknowledged to be indiſputed, and by the Act of Aſſembly for veſting the eſtate of the late Proprietaries of Pennſylvania in this Commonwealth are excepted. Wherefore all perſons engaged in purchaſing and locating lands within the laſt Indian purchaſe, are deſired to take Notice, and avoid the ſaid lands, or they will certainly incur a diſpute with the conſtituents of the ſubſcribers, in whom the rights are now veſted.

THOMAS CLIFFORD,
JOHN ABRAHAM DENORMANDIE,
Philadelphia, MIERS FISHER, and
May 17, 1785. CHARLES HURST.

---

THE Gentlemen who compoſe the Cheſter County Troop of Militia Light-Horſe, are hereby requeſted to meet at the houſe of John Scott, at the United States, Eaſt-Whiteland townſhip, Cheſter county, on FRIDAY, the 3d of June next, at ten o'clock in the forenoon, properly equipt, and with their arms and accoutrements in good order. And all perſons enrolled therein, who have neglected to furniſh themſelves with the neceſſary equipments required by law, are hereby notified, that their places ſhall be deemed vacant, and given to ſuch as may then apply and engage to provide themſelves as aforeſaid. SAMUEL VANLEER, Captain.

May 16, 1785. ¶

---

## *STURGEON,*

Cured in the Baltick manner, to be SOLD by

## *ELIZABETH PHILIPS,*

In Kenſington, near the Long Bridge, either for exportation or home conſumption.

SHE has followed the ſame buſineſs for upwards of 30 years, has given general ſatisfaction to her former cuſtomers, and hopes for the continuance of their favors.

She warrants the ſaid fiſh to keep in the hotteſt climates, by obſerving the following directions: Take out the bung and draw the pickle into a clean earthen pot or pan, then take out the marked head, harden on the hoops again, and pour the pickle over the fiſh, putting a clean cloth under the head of the keg to prevent the air getting in; if the pickle waſte, add ſharp vinegar to it.

The ſaid fiſh is alſo ſold by Mr. JOSEPH BURNS, in Front-ſtreet, between Vine and Callowhill ſtreets, and by no other perſon. May 16, 1785.

---

## STATE of PENNSYLVANIA.
## IN GENERAL ASSEMBLY,

FRIDAY, April 18, 1785. A. M.

A member preſented to the Chair a motion, which was read; and on motion, and by ſpecial order, the ſame was read the ſecond time, and adopted as follows, viz.

WHEREAS it appears, by the report of a Committee of this Houſe, that large ſums of money remain due to the ſtate, on bonds taken by the Collector of the Cuſtoms, which, by the tenor and condition of the ſaid bonds reſpectively, became due and payable at various periods now paſt.

And whereas it is requiſite and neceſſary that ſuch arrearages ſhould be ſpeedily paid and collected, in order to anſwer the ſeveral demands charged upon the ſame.

Reſolved, That the Supreme Executive Council be, and they are hereby deſired to order the ſaid Collector to uſe his utmoſt diligence to obtain payment of all the ſaid arrearages; and if any of the ſaid arrearages now due ſhall remain unpaid on the firſt day of June next, that the ſaid Collector be directed forthwith to put the bonds, on which ſuch monies ſhall be due, into the hands of the Attorney-General, to be proſecuted upon, without delay or reſpect of perſons.

Extract from the Minutes,
J. SHALLUS, Aſſiſtant Clerk
of the General Aſſembly.

---

## TO BE SOLD REASONABLE,

At the Corner of WALNUT and SECOND-STREETS, by

## *SHARP & WILLIAM DELANY,*

SWEET OIL in Caſes,
Ditto in Jars,
Cream of Tartar,
Verdigreaſe,
Beſt Aleppo Galls,
Fine Spunge,
Orris Root,
Juniper Berries,
Anniſeeds,
Caraway Seeds,
Litharge in Kegs;

ALSO,

A general ASSORTMENT of MEDICINES,
SURGEONS INSTRUMENTS,
SHOP FURNITURE, &c. as uſual.

Philadelphia, May 14, 1785.

---

## *Donnaldſon* and *Coxe,*

Have for SALE, at their STORE in Walnut, near Front-ſtreet,

## *The Cargoe of the Ship Kitty,*

Captain Mallett, juſt arrived from Rochfort, now landing at the wharff of Meſſrs. Whiteſide and Co. conſiſting of an extenſive Aſſortment of MERCHANDIZE of the growth and manufacture of France: Among which are the following Articles, which they will diſpoſe of on reaſonable terms, for Caſh, ſhort Credit, or dark Maryland Tobacco of a good quality:

OLD Coniac Brandy in pipes,
Claret of the firſt quality in caſes of 5 dozen each,
Champaigne Wine in do. of 2½ ditto.
Burgundy ditto. in do. ditto.
Superfine broadcloths of the moſt faſhionable colours,
A variety of chintz, calicoes and cottons, dark and light grounds,
Sattins, taffities, Florence ſilk pluſh, and ladies ſattin ſhoes of all colours,
Women and mens ſilk and kid gloves and mitts,
Fans and ribbands aſſorted,
Womens and mens ſilk, thread and cotton hoſe,
Umbrellas and ſilk handkerchiefs,
Gauze and gauze handkerchiefs,
Fine cambricks, lawns and dimities,
Sealing wax,
Ladies ſilk and gauze cloaks, c t f.

---

## *TO BE LETT,*

And entered upon immediately,

A VALUABLE grazing FARM, containing 100 acres, with a frame houſe, ſpring-houſe and other conveniencies, very ſuitable for a perſon attending the market with milk. Alſo two large tracts of grazing ground, one containing 160, and the other 200 acres, and a number of ſtone quarries, to be LETT. The whole within two and an half miles of the city. For terms, enquire of the ſubſcriber, at the Woodlands, the ſeat of William Hamilton, Eſquire.

May 12, 1785. WILLIAM THOMSON, Overſeer.

---

## *SIX DOLLARS Reward.*

RUN away, laſt night, from the ſubſcriber, an apprentice Lad, named WILLIAM MOORE, about 18 years old, ſlim made, walks cloſe, has light coloured hair, about 5 feet 6 or 7 inches high, a blackſmith by trade; had on and took with him, one new cloth coat, light ſaggathy jacket, corduroy and buckſkin breeches, three ſhirts, one of them fine, two pair of tow, and one pair of ſtriped trowſers, two hats, one a felt, the other an Engliſh caſtor, with a band and buckle, brown linen ſtockings, one pair of ſhoes, a light coloured coattee, with ſome other trifles not known. Whoever takes up the above apprentice and confines him in any goal, and gives me intelligence, ſo that I may get him again, ſhall have the above reward, paid by

Lower Merion, May 15. JONATHAN ROBESON. ¶

---

Philadelphia, May 12, 1785.

RUN AWAY, from on board the ſchooner ALICE, Capt. JACKSON, Commander, lying at the Bird-in-Hand wharff, on the 6th of May, inſt. a Negroe Fellow, named JACK, about 35 years of age, 5 feet 6 or 8 inches high, has a low ſoft voice when he ſpeaks, and appears very fooliſh and ſimple. Had on when he went away, a ſhort jacket, of a dark grey colour, old trowſers, much tarred, osnabrug ſhirt, and old ſhoes; but took with him ſundry other clothes, the property of paſſengers on board, which cannot be deſcribed. Whoever ſecures and delivers ſaid fellow to BENJAMIN RUST, living in Richmond county, Virginia, or to the ſubſcriber, in Market-ſtreet, between Sixth and Seventh-ſtreets, Philadelphia, ſhall be genteelly rewarded.

¶ THOMAS COLLINS.

---

In the Common Pleas of York County, April Term, 1785.

No. 175.

JAMES LOGUE, Executor of the laſt Will and Teſtament of WILLIAM MARLIN, deceaſed. v *Brian Queen* and *John Charter.*

BILL to perpetuate Teſtimony concerning the Title of a certain PLANTATION and TRACT of LAND, now in the Poſſeſſion of WILLIAM JOHNSTON, ſituate in *York* County, *Pennſylvania.*

*April Term*, 1785.----And now on motion, ruled and ordered, that the depoſitions of John Buchanan and John Marlin be taken (in order to perpetuate the ſame) before William Scott and Michael Hahn, Eſquires, or either of them, at the Court-Houſe, in York-Town, in the county of York, and ſtate of Pennſylvania, on Thurſday, the 23d day of June next, at two o'clock in the afternoon; and that the above rule be publiſhed in the Pennſylvania Gazette for four weeks.

Extract from the Records,
† 4w ARCHIBALD M'CLEAN, Prothonotary.

---

## TO THE PUBLIC.

FEW countries are richer in botanical productions than America; but in no country has leſs attention been paid to collecting an account of them. Natives and foreigners have frequently had occaſion to lament the want of ſome work, which might ſerve as a regiſter of paſt diſcoveries, and lead to future ones. It cannot be compiled at once, or by one man; but it is the duty of every one to contribute what he can towards it.

Influenced by this motive, and at the requeſt of many reſpectable perſons---

PROPOSALS are made for Printing by SUBSCRIPTION,

## AN AMERICAN BOTANY,

OR AN

*Alphabetical Catalogue* and *Botanical Deſcription* of the Foreſt Trees, Shrubs, &c. Natives of the United States---Arranged according to the linnæum ſyſtem, with the Engliſh names alſo annexed, and an account of the appearance, manner of growth, &c. of the different ſpecies and varieties, with ſome hints of their uſe in medicine, manufactures, dyes, and domeſtic œconomy---With proper indexes. The whole compiled from actual obſervation, by HUMPHRY MARSHALL, near Bradford Meeting-houſe, Cheſter county.

It will be printed in 8vo. and will be put into the preſs as ſoon as a ſufficient number of copies are ſubſcribed for to pay the expence of printing; the author having no view of private emolument.

Price to ſubſcribers 3/9; money to be paid on ſubſcribing.

Subſcriptions taken in by Meſſrs. *Cruckſhanks, Bradford, Humphreys*, and the Printers hereof.

---

## TO BE SOLD,

On very reaſonable Terms----*(In the State of New-York)*

THAT pleaſant and very valuable FARM and GRIST-MILL, ſituate on the eaſt ſide of Hudſon's or North-river, about two miles above Fiſh-Kill Landing, and 70 miles from the city of New-York, formerly the property of Dirick Brinckerhoff, Eſq; deceaſed. The dwelling-houſe is in good repair, and commands an elegant proſpect of the river, conſiſting of ſix large rooms, with four fire-places, and an elegant cellar under the whole. There are on the premiſes, a good garden and orchard, with a number of valuable fruit-trees, a good kitchen, ſmoke-houſe, a miller's houſe and ſtore, barn and ſtables, with a moſt valuable well of excellent water, and a large building intended for a diſtillery and brew-houſe. The griſt-mill is aſpacious building, 3 ſtories high, containing one pair of ſtones; it is in a good neighbourhood for country work, and moſt advantageouſly ſituated for making merchantable flour. The farm contains about 380 acres of upland and meadow, well timbered and watered. The many advantages attending the above premiſes cannot be inſerted in an advertiſement; let it ſuffice to ſay, that it is in every reſpect calculated for the pleaſant ſeat of a gentleman, and for the man of buſineſs. An indiſputable title will be given. For terms, enquire of LEONARD JACOBY, merchant, in Second-ſtreet, Philadelphia. ¶

---

## *I. POYNTELL,*

Begs Leave to inform the PUBLIC, That he has opened a

WHOLESALE and RETAIL

## BOOK & STATIONARY STORE,

on the North Side Market-ſtreet, between Front and Second-ſtreets, oppoſite Lætitia-Court, where he reſpectfully ſolicits the Commands of the Public. May 17, 1785. †

---

## HEAD & SANSOM,

Have for SALE, by the Package or Piece, at their STORE, in Second-ſtreet, oppoſite the Church, a large Aſſortment of

## MERCHANDIZE,

Suitable to the Seaſon, imported from different Manufactories of England, from Ireland and Scotland; among which are,

BENGALLS, ſtriped ginghams, jeans and fuſtians, corduroys and velverets, ſilk and worſted ſagathies, corded dimities, ſhalloons, rattinets, callimancoes, durants, tammies, moreens, damaſks, dorſetteens, camblets, India calicoes, cotton and linen hollands, ditto 7-8ths, yard wide and yard 3-8ths checks, oznabrigs, 3-qr. 7-8ths and yard wide Iriſh linens, German and Iriſh dowlas, Scotch-ſheetings, cambricks and lawns, muſlins and humhums, ſtriped tickens, plain kenting, kenting handkerchiefs flowered and bordered, 7-8ths and yard wide plain gauze, check and linen pocket handkerchiefs, womens purple leather mitts, buckrams, death-head and fancy buttons, &c.

HARDWARE---Knives and forks, penknives, ſciſſars, razors, ſhoe and knee buckles, ſpurs, ſleeve links, money ſcales and weights, ſnuff and tobacco boxes, White-chapel needles, horn, ivory and curry combs, tempie ſpectacles, 3, 4, 6 8, 10, 12 and 20d. ſharp, fine and common nails, 10, 12 and 20d. flat point common ditto, ſhovels, frying pans, anvils, wire, mill-ſaws, &c.

Red lead, verdigreaſe, magnus, Hoſe's and other ſhoes, ſilver watches, powder and ſhot, and a number of other articles.

*By the Package only*---A variety of cloths, a few caſes of Iriſh ſheeting and diaper aſſorted, together with a bale or two of match coats; all which they mean to ſell upon the moſt reaſonable terms.

Alſo ſcythes, ſheet iron, Briſtol pewter, ſad irons and window glaſs.

N. B. They, as uſual, take in and purchaſe all kinds of *Shipping Furs.*

---

## A general Aſſortment of DRY GOODS

to be SOLD, at the STORE of Mr. JOHN M'CLELLAND, lately occupied by the ſubſcriber, in York-Town.

THEY will be ſold upon a reaſonable credit, and at the loweſt prices, either the whole together or divided into parcels, ſo as to ſuit the purchaſers. The terms may be known by applying to ſaid M'Clelland, or to Thomas Hartley, Eſq; in York-Town; and the ſubſcriber would attend himſelf upon notice. Country Store-keepers might ſupply themſelves there to great advantage. EDWARD CRAWFORD, Jun.

May 10, 1785. ¶ 6 w.

---

## L O S T,

FIVE LOAN OFFICE CERTIFICATES, iſſued in favor of ERNST LUDWIG BAISH, dated the 7th day of Auguſt, in the year 1779, numbered as follows, viz. No. 872, 873, 874, for 2000 dollars each, and No. 661, 662, for 400 dollars each. The perſon who found them, is deſired to deliver them to the ſaid Ernſt Ludwig Baiſh, at his houſe on the weſt ſide of Second ſtreet, between Paris's houſe and Schweighauſer's ware-houſe, or to Martin Baiſh, in Arch ſtreet, near the George Tavern, in Philadelphia, and receive a handſome REWARD. §

May 2, 1785.

---

WHEREAS ANN SHEFFIELD, the wife of the ſubſcriber, hath behaved herſelf in an unbecoming manner, by running me in debt. This is therefore to forewarn all perſons from truſting her on my account, as I will pay no debts of her contracting from the date hereof. his

*Chriſtiana Hundred, New-Caſtle County, April* 30 1785. WILLIAM + SHEFFIELD. mark. ¶

---

*PHILADELPHIA:* Printed by HALL and SELLERS, at the NEW-PRINTING-OFFICE, near the MARKET.